**प्रेस विज्ञप्ति**

# आदि कृषि संस्कृति की ओर पुन:प्रयाण

ब्रह्माकुमारीज़ के ग्राम विकास प्रभाग ने गुजरात के दांतीवाडा कृषि विश्व विद्यालय के साथ शाश्वत यौगिक खेती अर्थात् योग के प्रयोगो द्वारा कृषि उत्पादन में सात्विकता और पौष्टिकता बढ़ाने के लिए संशोधन कार्य के लिए क्रान्तिकारी कदम उठाया।

ग्राम विकास प्रभाग और दांतीवाड़ा कृषि विश्व विद्यालयने 15 मई 2009 को इस संशोधन कार्य को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए M.O.U. किया। कृषि विश्वव विद्यालय के 6 वैज्ञानिकों की टीम प्रभाग के साथ मिलकर के संशोधन कार्य करेगी। जिस में पहले-पहले तीन फसलों (मूंगफली, मूंग, गेंहू) पर एक साथ तीन प्लोट 1. रासायनिक, 2. जैविक, 3. यौगिक - बनाकर संशोधन किया जायेगा।

1 जून 2009 को दांतीवाडा कृषि विश्व विद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर शाश्वत यौगिक खेती के प्रयोग का शुभारंभ किया गया। जिस में डॉ. महेश्वरी, कुलपति, एस.बी.एस. टीक्का,रीसर्च डायरेक्टर, घनश्याम भाई, डीन, डॉ. एम.एम. पटेल, प्रा. एवं हेड, एग्रोनोमी, ब्रह्माकुमार राजू भाई, मुख्यालय संयोजक, ग्राम विकास प्रभाग, ब्रह्माकुमारी सरला बहन, राष्ट्रीय संयोजिका, ग्राम विकास प्रभाग, कोल्हापुर के बाला साहेब भाई तथा अन्य भाई-बहने उपस्थित थे।

कुलपति डॉ. महेश्वरी ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय वैज्ञानिकों ने बहुत सुंदर संशोधन कार्य किये है। यंत्रो के माध्यम से वनस्पति की सूक्ष्म गतिविधि और परिवर्तन को चेक करते हैं। हमें भी इस संशोधन में यंत्रो द्वारा चेक कर उसका रिपोर्ट तैयार करना होगा। दो तीन वर्ष तक लगातार हमें ये प्रयोग करना होगा। तभी इसका पूर्ण रिपोर्ट हम सरकार को पेश कर सकते हैं।

ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बी.के. राजू भाई ने ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका आदरणीय दादी जी एवं प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी मोहिनी बहन जी की ओर से शुभ संदेश देते हुए बताया कि सायलेन्स बहुत बड़ा बल है जिसमें हम अपने शक्शिाली प्रकंपनो से वनस्पति में उर्जा पैदा कर उर्वरक शक्ति को बढ़ासकते हैं। आपने चार प्रकार की उर्जा आत्मा, परमात्मा, ब्रह्मांण्ड और वैश्विक उर्जा के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा इस प्रसंशनीय कार्य की सराहना की। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्रह्माकुमारी सरला बहन ने आदि संस्कृति की पुन:स्थापना के सुंदर योग के प्रयोग के लिए अपनी शुभ कामनायें देते हुए कहा कि ये विश्व विद्यालय अनेकों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगा। दांतीवाडा कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति, रीसर्च डायरेक्टर तथा सभी वैज्ञानिको के सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

पालनपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका बी.के. भारती बहन तथा दांतीवाडा सेवाकेन्द्र की बी.के. शिवानी बहन के अथक परिश्रम और पुरूषार्थ से ये शुभारंभ कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ।

उसके बाद ईश्वरीय स्मृति में नारियल तोडकर निराकार परमात्मा शिव का झंडा खेत में लहराया गया तत्पश्चात कोल्हापुर से आये हुए बाला साहब भाई ने संस्करण किये हुए मुंगफली के बीज की बुवाई की।

इस प्रकार ब्रह्माकुमारीज़ के इतिहास में पहली बार बहुत ही उमंग और उत्साह के साथ शाश्वत यौगिक खेती के संशोधन का शुभ प्रारंभ हुआ। आगे चलकर यह योजना सफलता के शिखर पर पहुँच परमात्म प्रत्यक्षता का साधन बनेगी।

**---ओम् शान्ति---**